



पाठ – तीन

रेडियो की कहानी

विज्ञान, आश्चर्यजनक, वरदान, देन, आवश्यकता, रोचक, उपयोगी, यन्त्र, बिजली-संकेत, परिश्रम, फलस्वरूप, संदेश, सार्वजनिक, प्रदर्शन, अनौपचारिक, माध्यम, कार्यक्रम, प्रसारित, मनो-विनोद, द्वारा, संगीत, नाटक, परिचर्चा, पर्व, त्योहार, समाचार-पत्र, खबर, वास्तव, अनमोल, उद्घाटन, प्रारम्भ।



रेडियो विज्ञान का एक आश्चर्यजनक वरदान है। विज्ञान की यह देन मनुष्य जीवन के लिए उपयोगी चीज बन गई है। इस युग में हर घर में एक न एक रेडियो है। जीवन के हर क्षेत्र में रेडियो की आवश्यकता बहुत बढ़ गई है।

रेडियो की कहानी बहुत रोचक है। रेडियो एक ऐसा यंत्र है जिसमें एरियल आकाश से बिजली-संकेत चुन-चुनकर रेडियो यंत्र में भेजता है। रेडियो संकेत-ध्वनि बढ़ाने वाले यंत्र (लाउड स्पीकर) से ध्वनियाँ कई लोगों के कानों तक पहुँचाता है। इटली के वैज्ञानिक गोग्लिल्लो मारकोनी के अथक परिश्रम के फलस्वरूप सन 1896 में विश्व में पहली बार रेडियो-तरंग से संदेश भेजा जाना शुरू हुआ। रेडियो का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन सन 1906 को अमेरिका के फेस्सेण्डेन ने किया।

रेडियो शिक्षा का अनौपचारिक माध्यम है। यह लोगों को समाचारों तथा अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान देता है। यह बालकों और युवकों के लिए विशेष कार्यक्रम प्रसारित करता है। यह लोगों के मनो-विनोद का सबसे सस्ता और अच्छा साधन है। रेडियो द्वारा संगीत, गान, नाटक, परिचर्चा आदि प्रसारित होते हैं। हम दूर-दूर जगहों पर होने वाले खेलों, मनाये जाने वाले पर्वों-त्योहारों आदि का आँखों-देखा वर्णन रेडियो पर सुन सकते हैं। ऐसा लगता है कि रेडियो सारे संसार को हमारे घर में लाकर रख



देता है।

समाचार-पत्र से मिली खबरें ताजा नहीं होतीं। रेडियो से हम ताजा समाचार सुन सकते हैं। वास्तव में रेडियो अनमोल है।

हमारे मणिपुर राज्य की राजधानी इम्फाल में भी आकाशवाणी-केन्द्र है। इस केन्द्र का नाम 'आकाशवाणी इम्फाल' है।

इस केन्द्र का उद्घाटन 15 अगस्त सन 1963

को हुआ था। तब से लेकर आज तक आकाशवाणी का इम्फाल केन्द्र लोगों की सेवा करता आ रहा है। आकाशवाणी इम्फाल से एफ.एम. चैनल का प्रसारण भी प्रारंभ हो चुका है।



प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—

आश्चर्यजनक	—	विस्मय उत्पन्न करने वाला।
वरदान	—	किसी देवता या बड़े द्वारा प्रसन्न होकर दी गई सिद्धि या शक्ति।
देन	—	दी गई महत्वपूर्ण वस्तु।
क्षेत्र	—	स्थान, भूमि।
आवश्यकता	—	जरूरत।

रोचक	—	मनोरंजक।
बिजली-संकेत	—	बिजली का निशान, बिजली का चिह्न।
संकेत-ध्वनि	—	ध्वनि-चिह्न।
ध्वनि	—	आवाज।
अथक	—	न थकनेवाला।
संदेश	—	समाचार।
सार्वजनिक	—	सबसे संबंध रखनेवाला।
प्रदर्शन	—	दिखाना।
अनौपचारिक	—	जो चलते हुए क्रम या प्रथा में न हो।
माध्यम	—	साधन, द्वारा।
कार्यक्रम	—	कार्य किये जाने की सूची।
मनोविनोद	—	मनोरंजन।
सस्ता	—	कम मूल्य का।
परिचर्चा	—	किसी विषय पर विस्तृत रूप से की जाने वाली बातचीत।
प्रसारित होना	—	फैलना।
वास्तव में	—	यथार्थ में, यथार्थ रूप में।
अनमोल	—	अमूल्य।
उद्घाटन	—	शुभारंभ (शुभ + आरंभ)।
प्रसारण	—	दूर-दूर तक फैलाना।
प्रारंभ होना	—	शुरू होना।

2. उत्तर लिखो :—

- (क) किस क्षेत्र में रेडियो की आवश्यकता बढ़ गई है ?
- (ख) रेडियो कैसा यंत्र है ?
- (ग) रेडियो-तरंग से संदेश भेजना किसने और कब शुरू किया ?
- (घ) मारकोनी कौन था ?
- (ङ) रेडियो का सार्वजनिक प्रदर्शन कब और कहाँ हुआ ?
- (च) रेडियो शिक्षा का कैसा माध्यम है ?

- (छ) रेडियो मनोविनोद का कैसा साधन है ?
 (ज) रेडियो पर क्या-क्या प्रसारित होते हैं ?
 (झ) मणिपुर के आकाशवाणी-केन्द्र का नाम क्या है ?
 (ञ) इसका उद्घाटन कब हुआ था ?
 (ट) यह कब से लोगों की सेवा करता आ रहा है ?
 (ठ) रेडियो और टेलीविजन में क्या अन्तर है ?
 (ड) मणिपुर में कितने आकाशवाणी केन्द्र हैं ?
 (ढ) रेडियो या टेलीविजन पर प्रसारित कार्यक्रमों में से अपने मन-पसन्द कार्यक्रम के बारे में पाँच वाक्य लिखो ।

3. वाक्य बनाओ :—

वरदान -----

रोचक -----

अथक -----

संदेश -----

कार्यक्रम -----

सस्ता -----

प्रसारित -----

अनमोल -----

उद्घाटन -----

प्रारंभ -----

4. खाली जगह भरो :—

- (क) रेडियो की कहानी ।
 (ख) रेडियो द्वारा संगीत, गान, नाटक, परिचर्चा, आदि ।
 (ग) वास्तव में रेडियो ।
 (घ) इम्फाल के आकाशवाणी केन्द्र का नाम ।
 (ङ) आकाशवाणी इम्फाल से का प्रसारण भी प्रारंभ हो चुका है।

5. सही कथन के आगे 'सही' और गलत कथन के आगे 'गलत' लिखो :—

- (क) रेडियो विज्ञान का एक आश्चर्यजनक अभिशाप है।
 (ख) जीवन के हर क्षेत्र में रेडियो की आवश्यकता बहुत बढ़ गई है।
 (ग) रेडियो लोगों के मनोविनोद का सबसे महंगा और अच्छा साधन है।
 (घ) समाचार - पत्र से मिली खबरें ताजा होती हैं।
 (ङ) मणिपुर राज्य के आकाशवाणी केन्द्र का नाम आकाशवाणी मणिपुर है।

5. निम्नांकित को ध्यान से पढ़ो और याद करो :—

विभिन्न विभक्तियों के साथ 'बालक' शब्द के रूप

एकवचन	बहुवचन
बालक/बालक ने	बालक/बालकों ने
बालक को	बालकों को
बालक से	बालकों से
बालक के लिए	बालकों के लिए
बालक से	बालकों से
बालक का/के/की	बालकों का/के/की
बालक में, पर	बालकों में, पर
हे बालक !	हे बालको !